बाप समान फरिश्ता वर्ष

ब्रह्मा बाबा का चौदहवाँ कदम – एवररेडी

08.07.2012

1. स्वमान – मैं ब्रह्मा बाप समान एवररेडी हूँ।

– `अपने को सदैव ऐसा एवररेडी रखना है जो कभी भी अन्त का समय आ जाए तो इंतजार को खत्म करके इंतजाम रखना। सिर्फ सर्विस में एवररेडी नहीं लेकिन पुरुषार्थ में भी एवररेडी, संस्कारों को समाप्त करने में भी एवररेडी बनना है । इसके लिए संकल्पों को एक सेकण्ड में बंद करना है। तब कहेंगे एवररेडी।`– **शिवभगवानुवाच**

2. योगाभ्यास –

अ. अभी आर्डर हो कि दृष्टि को एक सेकण्ड में रुहानी वा दिव्य बनाओ जिसमें देह अभिमान का जरा भी अंशमात्र न हो, तो ऐसा बनने में एक सेकण्ड के बजाय दो सेकण्ड भी न लगे, तब कहेंगे एवररेडी।

ब. हर कर्मेन्द्रिय को जब चाहें, जहाँ चाहें वहाँ लगा लें और जब न लगाना हो तो कण्ट्रोल कर लें। अपनी बुद्धि को जहाँ चाहें जितना समय चाहें, उतना समय उस स्थिति में स्थित कर लें, तब कहेंगे एवररेडी।

स. एवररेडी आत्मायें साकारी दुनिया और साकारी शरीर में होते हुए भी बुद्धियोग की शक्ति द्वारा अनुभव करेंगी कि मैं आत्मा सूक्ष्मवतन वा मूलवतन में बाप के साथ रहती हूँ। अभी-अभी यहाँ और अभी-अभी वहाँ। साकारी वतन से निकल मूलवतन के कमरे में चली जायेंगी।

3. धारणा – एवररेडी

– जो सोचो उसे उसी समय करो – इसको कहा जाता है एवररेडी। मन्सा से भी एवररेडी, संस्कार परिवर्तन में भी एवररेडी। रुहानी संबंध और सम्पर्क निभाने में भी एवररेडी।

– जब आप स्वयं को सर्व तरफ से समेट कर एवररेडी बनायेंगे तो विनाश भी रेडी हो जाएगा।

– एवररेडी अर्थात् सदा अन्तिम समय के लिए अपने को सर्वगुण सम्पन्न बनाने वाले।

4. स्वचिंतन –

– क्या मैं स्वयं को एवररेडी समझता हूँ?

– एवररेडी बनने के लिए मुझे क्या करना होगा?

– एवररेडी आत्मा की निशानी क्या होगी?

5. साधकों प्रति – प्रिय साधकों ! बापदादा ने कहा है कि मुक्ति-जीवनमुक्ति का गेट खोलने की जवाबदारी बाप के साथ-साथ आप एवररेडी आत्माओं की है। यह विनाश सर्व आत्माओं की सर्व कामनायें पूर्ण करने का निमित्त साधन है। यह साधन आपकी साधना द्वारा पूरा होगा। इसलिए अब ऐसा संकल्प इमर्ज करो कि सर्व आत्माओं का कल्याण हो। सभी सुखी और शान्त हो अब घर चलें। इस संकल्प और स्मृति से विनाश ज्वाला भड़केगी और सर्व का कल्याण होगा। इसलिये अब बेहद की उपराम वृत्ति वा वैराग्य वृत्ति को धारण करने में **एवररेडी बनो**।